

जवारिश स्त्री. (अर.) अवलेह जैसी हकीमी या यूनानी औषध।

जवारी स्त्री. (देश.) जौ, छुहारे, मोती आदि का गुथा हुआ हार (स्त्री. तद्.) वाद्ययंत्र (सितार, तंबूरा सारंगी आदि) में तारों को उठाए रखने वाला लकड़ी का टुकड़ा 2. तार वाले बाजे।

जवाल पुं. (अर.) 1. अवनति, घटाव, उतार 2. जंजाल, आफत, झंझट।

जवाशीर पुं. (फा.) एक प्रकार का गंधा विरोजा।

जवाह पुं. (देश.) आँख का एक रोग प्रवाल, परवाल, बैलों की आँख का एक रोग जिसमें आँख के नीचे का मांस बढ़ जाता है।

जवाहर पुं. (तत्.) रत्न, मणि।

जवाहरात पुं. (अर.) अनेक प्रकार की रत्न मणि।

जवाहिर पुं. (देश.) दे. जवाहर।

जवाहिरात पुं. (देश.) दे. जवाहरात।

जवाही वि. (देश.) जिसकी आँख में जवाह रोग हो 2. जवाह रोग युक्त।

जविन वि. (तत्.) वेगवान, गतिशील।

जवी वि. (तद्.) वेगवान, वेगयुक्त।

जवीय वि. (तत्.) 1. घोड़ा, ऊँट।

जवैया पुं. (देश.) जाने वाला, गमनशील।

जशन पुं. (फा.) 1. उत्सव, जलसा 2. आनंद, हर्ष 3. नाच-गाना, महफिल।

जशन पुं. (फा.) दे. जशन।

जसद पुं. (तद्.) जस्ता।

जसामत स्त्री. (अर.) 1. लंबाई, चौड़ाई, मोटाई, गहराई, ऊँचाई आदि 2. शारीरिक स्थूलता।

जसीम वि. (अर.) मोटा, स्थूल।

जसु स्त्री. (तत्.) यशोदा, नंद की पत्नी।

जसुदा स्त्री. (तद्.) दे. यशोदा।

जसुरि पुं. (तत्.) वज्र।

जसोदा स्त्री. (तद्.) दे. यशोदा।

जस्टिस पुं. (अं.) 1. न्याय, इंसफ 2. न्यायाधीश।

जस्त पुं. (फा.) छलॉग, कुलॉच।

जस्ता पुं. (तद्.) कालापन लिए सफेद या खाकी रंग की धातु, इसका प्रयोग बर्तन बनाने, औषधों और रंगों में होता है।

जहक स्त्री. (तत्.) 1. कुढ़न, चिढ़, खीझ 2. उत्तेजना, आवेश वि. (तद्.) छोड़ने या त्याग करने वाला पु. (तद्.) 1. समय 2. बालक 3. साँप की केंचुल।

जहकना अ.क्रि. (देश.) मस्त होना, प्रसन्न होना स.क्रि. (देश.) 1. चिढ़ना, कुढ़ना।

जहका स्त्री. (तद्.) एक जंतु कटास।

जहत्स्वार्था स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की लक्षणा जिसमें पद या वाक्य का वाच्यार्थ न होकर अभिप्रेत अर्थ लिया जाता है, इसे जहलक्षण भी कहते हैं।

जहदना अ.क्रि. (देश.) कीचड़ होना, दलदल हो जाना।

जहन्नुम पुं. (अर.) नरक, दोजख मुहा. जहन्नुम में जाना- नरक में जाना, नष्ट होना, आँखों से दूर होना।

जहन्नुमी वि. (फा.) जहन्नुम में जाने वाला, नरक-गामी।

जहमत स्त्री. (अर.) आपत्ति, मुसीबत, आफत, तकलीफ़, कष्ट।

जहर स्त्री. (फा.) विष, गरल, वि. घातक, प्राण लेने वाला पुं. जोहर मुहा. जहर व्रत- जौहर का व्रत

जहरबाद पुं. (फा.) रक्त विकार से उत्पन्न एक भयंकर और विषाक्त फोड़ा।

जहरी वि. (देश.) जहर वाला, विषाक्त।

जहरीला वि. (देश.) जहरदार, विषाक्त।

जहल पुं. (अर.) नासमझी, मूर्खता, बुद्धिहीनता।

जहाँ वि. (तद्.) जिस जगह मुहा. जहाँ का तहाँ- अपने पहले के स्थान पर; जहाँ का तहाँ रह